दो मासूम बच्चियों की कुएं में डूबने से मौत

जबेरा, देशबन्धु। रक्षाबंधन के पर्व पर रिश्तों की खुशियां मनाने आए परिवारों पर ऐसी त्रासदी टूट पड़ी कि पूरा तांवरी गांव गम में डूब गया। दमोह जिले के जबेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बंशीपुर के गांव तांवरी में मंगलवार शाम खेत में बने कुएं में डूबने से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा रहा और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

मानसी काव्या

जानकारी के अनुसार तांवरी निवासी संतोष सिंह आदिवासी की 11 वर्षीय बेटी मानसी मंगलवार को स्कूल की छुट्टी के बाद घर पहुंची थी। वहीं उसकी 6 वर्षीय बुआ की बेटी काव्या रक्षाबंधन के अवसर पर अपनी मां के साथ आगरा, उत्तर प्रदेश से तांवरी आई हुई थी। शाम के समय मानसी की मां खेतों में बंधे बैलों को छोड़ने जा रही थी। दोनों बच्चियां भी उसके पीछे चल पड़ीं। रास्ते में मां ने दोनों को वापस घर लौटने के लिए कहा, जिसके बाद दोनों बच्चियां घर लौट गईं।

कुछ देर बाद जब मां घरेलू कामकाज में व्यस्त हो गईं तो शाम होने पर दोनों बच्चियां घर में दिखाई नहीं दीं। पहले परिजनों ने आसपास तलाश की। पड़ोस के घरों, खेतों और गलियों में खोजबीन की गई, लेकिन बच्चियों का कोई पता नहीं चला। इसी दौरान घर से करीब 100 मीटर दूर खेत में बने कुएं के पास बच्चियों की चप्पलें दिखाई दीं। इसके बाद ग्रामीणों की आशंका कुएं की ओर बढ़ गई। घटना की सूचना सरपंच प्रतिनिधि डाल सिंह लोधी को दी गई। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जबेरा थाना प्रभारी रविन्द्र बागरी, सिंग्रामपुर चौकी प्रभारी विकास सिंह चौहान, नोहटा थाना प्रभारी अभिषेक पटेल, एसआई गणेश दुबे, वन विभाग से विनोद साहू सहित पुलिस अमला और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

शाम 5 बजे से लापता थीं दोनों रात 10 बजे पानी में मिले शव

रात तक चला तलाश और बचाव अभियान – कुएं में बच्चियों की तलाश के लिए ग्रामीणों और टीम ने लगातार प्रयास किए। लंबे बांस और तार के हुक से तलाश की गई। गोताखोरों को भी बुलाया गया और मोटर पंप लगाकर कुएं का पानी बाहर निकाला गया। कई घंटों की मशक्कत के बाद रात करीब 10 बजे 11 वर्षीय मानसी का शव कुएं में दिखाई दिया। उसे बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा पहुंचाया गया। करीब 25 से 30 मिनट बाद दूसरी बच्ची काव्या का शव भी बरामद कर अस्पताल पहुंचाया गया। ड्यूटी डॉक्टर मयंक जैन ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

बिना मुंडेर का कुआं बना हादसे की वजह – बताया गया कि खेत में बना कुआं बिना मुंडेर का था। बारिश के कारण कुआं पानी से लबालब भरा था और आसपास का खेत भी पानी से भरा होने के चलते कुएं और खेत के बीच अंतर कर पाना मुश्किल था। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि खेलते समय छोटी बच्ची कुएं में गिर गई होगी और उसे बचाने के प्रयास में बड़ी बच्ची भी कुएं में चली गई होगी। हालांकि घटना की वास्तविक परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

काव्या अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। वहीं मानसी अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी और उसका एक भाई है। इस हादसे ने एक परिवार से उसकी इकलौती संतान और दूसरे परिवार से इकलौती बहन छीन ली।

पोस्टमार्टम के बाद नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई – घटना की जानकारी मिलते ही जबेरा एसडीओपी अर्चना अहीर भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचीं। बुधवार सुबह दोनों बच्चियों का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। दोपहर करीब 12 बजे बेहद गमगीन माहौल में दोनों मासूमों को अंतिम विदाई दी गई।

रक्षाबंधन के जिस पर्व पर घर में भाई-बहन के प्रेम और खुशियों का माहौल था, वहीं अब दो मासूम बेटियों की यादें और परिवार के आंसू रह गए हैं। तांवरी गांव में इस दर्दनाक हादसे से हर आंख नम है।

डिंडोरी में भारी बारिश, बिलगांव बांध का गेट खुला

6.89 क्यूमेक पानी छोड़ा, निचले गांवों में सुरक्षा के लिए मुनादी कराई

डिडोरी, देशबन्धु । बुधवार रात से शुरू हुई रिमझिम बारिश गुरुवार को भी जारी रही। मौसम विभाग ने जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। जिले में अब तक सामान्य बारिश का करीब 70 प्रतिशत पानी बरस चुका है। लगातार बारिश के बीच शहपुरा विकासखंड के बिलगांव बांध का एक गेट 6.89 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहाजल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री अमित उइके ने बताया कि कैचमेंट एरिया में पानी बढ़ने के कारण सुबह 10 बजे बांध का नंबर-1 गेट 10 सेंटीमीटर तक खोला गया। इससे 6.89 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध से पानी छोड़े जाने के बाद सिलगी नदी किनारे बसे गांवों में प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। जल संसाधन विभाग की ओर से निचले इलाकों में बसे गांवों में मुनादी कराई गई। जिन 14 गांवों में मुनादी कराई गई उनमें बिलगांव, पिपरिया, अमठेरा, बरगांव, करौंदी, इंदौरी, घुंडीसरई, डुंडीसरई, कारीगढ़हरी, चंदवाही, चाटी, पिंडरई, कुटरई और फुलवाही में ग्रामीणों को सावधान किया गया।

लोगों से नदी किनारे अकेले नहीं जाने और मवेशियों को भी नदी के पास नहीं ले जाने की अपील की गई है। जलस्तर बढ़ने की स्थिति में विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

डिंडोरी में 24 घंटे में डेढ़ इंच बारिश – पिछले 24 घंटे में डिंडोरी में करीब डेढ़ इंच बारिश दर्ज की गई। अमरपुर में आधा इंच, समनापुर में 4 मिलीमीटर, बजाग में 1 मिलीमीटर, करंजिया में 8 मिलीमीटर और शहपुरा में आधा इंच बारिश हुई। मेहदवानी में बारिश दर्ज नहीं हुई। 1 जून से अब तक डिंडोरी में 62 इंच, अमरपुर में 40 इंच, समनापुर में 31 इंच, बजाग में 43 इंच, करंजिया में 42 इंच, शहपुरा में 32 इंच और मेहदवानी में 23 इंच बारिश दर्ज की गई है। जिले में अब तक कुल 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

सार-समाचार

मोबाइल शॉप में चोरी करते युवक को लोगों ने पकड़ा, पुलिस को सौंपा

डिंडोरी, देशबन्धु। करंजिया थाना क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की रात मोबाइल शॉप में चोरी की कोशिश कर रहे युवक को लोगों ने पकड़ लिया। आरोपी ताला तोड़कर दुकान में घुसा था। आहट सुनकर पड़ोसियों ने शटर बाहर से बंद कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया। उसकी पहचान धर्मेंद्र सैयाम निवासी भीमपार के रूप में हुई है। जांच में उसके खिलाफ गाड़ासरई और शाहपुरा थानों में पहले से मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई। गाड़ासरई पुलिस के अनुसार, अगस्त में क्षेत्र की दो दुकानों में हुई चोरी के मामलों में भी धर्मेंद्र की तलाश थी। पूछताछ में अन्य वारदातों का खुलासा होने की उम्मीद है।

सड़क पर फिसलन बनी हादसे का कारण खचना नाका पर तीन स्कूटी टकराई

हटा, देशबन्धु। दमोह-पन्ना मुख्य मार्ग पर खचना नाका के पास सड़क पर फैले पानी से बनी फिसलन के कारण तीन स्कूटी अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गईं। हादसे में तीनों स्कूटी सड़क पर गिर गईं। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी भी सवार को चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार एक स्कूटी पन्ना की ओर से दमोह तरफ जा रही थी, जबकि दूसरी दमोह की ओर से पन्ना तरफ आ रही थी। तीसरी स्कूटी रसिलपुर रोड से खचना नाका की ओर पहुंच रही थी। इसी दौरान सड़क पर पानी जमा होने से फिसलन बढ़ गई और तीनों वाहन अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना में किसी के घायल नहीं होने से मामला गंभीर नहीं हुआ। तीनों पक्षों के बीच आपसी समझाइश के बाद सभी अपने-अपने वाहनों के साथ रवाना हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि दमोह नाका से पन्ना नाका तक चल रहे फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान कई स्थानों पर जलभराव और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क पर कीचड़ और फिसलन बनी रहती है। बारिश के दौरान निर्माण सामग्री, मिट्टी और गंदगी पानी के साथ सड़क पर फैल जाती है, जिससे दोपहिया वाहनों के फिसलने की घटनाएं बढ़ रही हैं। मौके पर मौजूद ऋषभ विश्वकर्मा, सुनील साहू, सतीश साहू और अभिषेक यादव ने बताया कि सड़क पर पानी जमा होने और फिसलन के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग से नियमित सफाई, बेहतर जल निकासी और खतरनाक स्थानों पर आवश्यक संकेतक लगाने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

दमोह नाका से पन्ना नाका तक फोरलेन निर्माण के बीच जलभराव और गंदगी से बढ़ रही फिसलन

हटा बस स्टैंड दलदल में तब्दील, लाल मुरम बनी राहगीरों के लिए सिरदर्द

हटा, देशबन्धु। पिछले कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने हटा बस स्टैंड की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। बस स्टैंड परिसर में सराय की खाली पड़ी जगह पर बिछाई गई लाल मुरम बारिश के बाद कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गई है। मुरम का कीचड़ आसपास की सीसी सड़क तक फैल रहा है, जिससे परिसर गंदा हो रहा है और राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश होते ही बस स्टैंड परिसर के कई हिस्सों में पानी जमा हो जाता है। लाल मुरम गीली होकर कीचड़ में बदल जाती है, जिससे पैदल चलना मुश्किल हो रहा है। यात्रियों को बसों तक पहुंचने के लिए कीचड़ और पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय मुकेश प्रजापति, राजू खान और रुपेश अठ्या का कहना है कि बस स्टैंड पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आते-जाते हैं, लेकिन बारिश के मौसम में कीचड़ की समस्या गंभीर हो जाती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए फिसलने का खतरा बना रहता है, वहीं यात्रियों के कपड़े और सामान भी कीचड़ से खराब हो रहे हैं। राहगीर नीलम पटेल, मोंटी शर्मा और कल्लू रजक ने बताया कि अस्थायी व्यवस्था के तहत लाल मुरम डाली गई थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण अब यही मुरम परेशानी का कारण बन गई है। लोगों ने बस स्टैंड परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा संबंधित स्थान पर स्थायी और पक्की व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान यात्रियों और राहगीरों को कीचड़ व दलदल से राहत मिल सके।

किसान पंजीयन में लापरवाही पर 10 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस

डिंडोरी, देशबन्धु । किसान पंजीयन अभियान में कोई प्रगति न होने पर एसडीएम रामबाबू देवांगन ने 10 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्हें दो दिन के अंदर अपना जवाब देने को कहा गया है। यह पंजीयन अभियान 20 अगस्त 2026 से 15 सितंबर 2026 तक चलाया जा रहा है।

पटवारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर लगने वाले कैंपों में मौजूद रहकर किसान आईडी बनाने, उनमें सुधार करने और छूटे हुए खाताधारकों को एग्रीस्टेक से जोड़ने का काम सौंपा गया था। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ निर्देश दिए गए थे। रोज की प्रगति रिपोर्ट और डैशबोर्ड देखने पर पता चला कि संबंधित इलाकों में किसान रजिस्ट्री का काम बिल्कुल नहीं हुआ है। इसे सरकार की सबसे जरूरी योजना के प्रति गंभीर लापरवाही और सरकारी आदेशों का पालन न करना माना गया है।

इनको किया नोटिस जारी – जिन पटवारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनके नाम पुष्पराज सिंह, विशाल, विशाल बिल्लौरे, रेशु जैन, मनमोहन सिंह मसराम, अनिल परस्ते, रविराज चौहान, जितेंद्र कुमार रजक, संजय सिंह परस्ते और कार्तिक परधान हैं। नोटिस में इन पटवारियों को निर्देश दिया गया है कि वे पत्र मिलने के 2 दिन के अंदर आकर लिखित जवाब दें।

उनसे पूछा गया है कि अपनी जिम्मेदारियों में लापरवाही और सरकारी आदेशों की अनदेखी के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। अगर संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया या तय समय में वे हाजिर नहीं हुए, तो उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

59 साल बाद फिर कान्हा के जन्म का अद्भुत ग्रहयोग

सूर्य, चन्द्र, बुध, बृहस्पति और शनि की पुनरावृत्ति योग में मनेगी जन्माष्टमी

तेन्दूखेड़ा, देशबन्धु । श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी विशेष संयोग लेकर आ रही है। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर कल 4 सितंबर, शुक्रवार को रोहिणी के बाद मृगशिरा नक्षत्र, हर्षल के बाद वज्र योग, तैतिल के बाद वणिज करण और वृषभ राशि के चंद्रमा की साक्षी में होगी पंडित गोपाल शास्त्री के अनुसार 1967 के बाद 2026 में पांच प्रमुख ग्रहों की स्थिति में पुनरावृत्ति के साथ जन्माष्टमी का पर्वकाल आ रहा है। सूर्य और बुध सिंह, चंद्र वृषभ, गुरु कर्क तथा शनि मीन राशि में गोचर करेंगे ।

कृष्ण अनुष्ठान से चार पुरुषार्थ की साधना – पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार भगवान कृष्ण की भक्ति से ज्ञान, वैराग्य और जीवन के चार पुरुषार्थ की साधना का मार्ग प्रशस्त होता है इसके लिए कृष्णाष्टकम् और कृष्ण कथा-लीलामृत के पाठ-श्रवण का संकल्प लिया जा सकता है

अब राष्ट्र के प्रभाव का योग – पं. गोपाल शास्त्री के अनुसार ग्रहों के इस संयोग से तकनीकी संचार, प्रशासन, आध्यात्मिकता और धर्म के क्षेत्र में परिवर्तन के संकेत हैं। 59 वर्ष पूर्व भी ऐसे ग्रह गणित के दौरान भारतीय सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन देखने को मिला था। इस बार ग्रहों की पुनरावृत्ति राष्ट्र के प्रभाव में वृद्धि का संकेत दे रही है।

केंद्र-त्रिकोण योग से साधना को बल – ज्योतिष शास्त्र में केंद्र-त्रिकोण को प्रभावशाली माना गया है इस योग में ग्रहों की शक्ति बढ़ने से परिस्थितियों में बदलाव के संकेत मिलते हैं सूर्य-चंद्र के विशेष योग और अन्य ग्रहों के दृष्टि संबंध साधकों के लिए महत्वपूर्ण हैं कृष्ण उपासक इस दौरान विशेष साधना और संकल्प कर सकते हैं।

हलषष्ठी पर घर-घर हुई पूजा, संतान की दीर्घायु के लिए रखा व्रत

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु । नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हलषष्ठी (हरछठ) का पर्व बुधवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, उन्नति एवं सुख-समृद्धि की कामना को लेकर व्रत रखा तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

दिनभर घरों में धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हलषष्ठी माता एवं भगवान बलराम की पूजा की।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार हलषष्ठी व्रत भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। इस पर्व को हरछठ, हलछठ, ललही छठ, बलदेव छठ और बलराम जयंती के नाम से भी जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम का जन्मोत्सव भी इसी दिन मनाया जाता है। भगवान बलराम के प्रमुख आयुध हल और मूसल हैं, जिसके कारण उन्हें हलधर के नाम से भी जाना जाता है। पर्व के दौरान महिलाओं ने विशेष नियमों का पालन करते हुए पूजा की। धार्मिक परंपरा के अनुसार इस दिन हल से जोती गई भूमि में उत्पन्न अनाज और सब्जियों का सेवन नहीं किया जाता है। कई महिलाओं ने परंपरागत रूप से तालाब या जलाशय में स्वत: उत्पन्न होने वाले अन्न, जैसे पसई अथवा तीनी के चावल का उपयोग किया। वहीं भैंस के दूध, दही और घी का भी विशेष महत्व रहा। हलषष्ठी की पूजा में महुआ का भी विशेष महत्व माना जाता है। महिलाओं ने पूजा में महुआ के पत्तों तथा बांस की डलिया अथवा चुनका का उपयोग किया। कई स्थानों पर महुआ की दातुन करने और महुआ के उपयोग की परंपरा भी निभाई गई। पूजन के बाद माताओं ने अपने पुत्रों का तिलक किया, उनकी आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन का आशीर्वाद दिया।

नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर महिलाओं की श्रद्धा और मातृ-स्नेह से जुड़ा हलषष्ठी पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया।

गौशाला में मनाया बलराम प्रकट्ोत्सव

डिंडोरी, देशबन्धु। डिंडौरी के समनापुर विकासखंड के मानपुर स्थित श्री कामधेनु गौशाला में बुधवार को जिला स्तरीय बलराम प्रकट्ोत्सव मनाया गया। इस दौरान भगवान बलराम और गौमाता की पूजा करके क्षेत्र की सुख-समृद्धि और किसानों की खुशहाली की प्रार्थना की गई।

कार्यक्रम में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम और एसडीएम रामबाबू देवांगन समेत कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि भगवान बलराम खेती-किसानी और किसान संस्कृति के प्रतीक हैं, इसलिए इस दिन हल और गौमाता की पूजा का खास महत्व है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार गौसंरक्षण और किसानों की तरक्की को प्राथमिकता दे रही है।

गौशालाओं के जरिए आवारा पशुओं को सुरक्षित ठिकाना, भोजन और देखभाल मिल रही है। उन्होंने पशु चिकित्सा विभाग को पशुओं की नियमित जांच और समय पर टीका लगाने के निर्देश दिए।

जैविक खेती अपनाने की अपील – विधायक ने जानकारी दी कि घायल और बीमार पशुओं के इलाज के लिए 1962 पशु एम्बुलेंस सेवा चलाई जा रही है। साथ ही मॉर्डन तकनीक से बेहतर नस्ल के पशुओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने किसानों से गोबर की खाद का इस्तेमाल करने की अपील की ताकि मिट्टी उपजाऊ बनी रहे और फसल अच्छी हो।

संस्कृति संरक्षण का दिया संदेश-जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते ने कहा कि बलराम प्रकटोत्सव कृषि, गौसेवा और अपनी संस्कृति को बचाने का संदेश देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने भगवान बलराम के बताए रास्तों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

शासकीय स्कूल में हुई चोरी की गुत्थी सुलझी

दो आरोपियों से किया गया चोरी का माल बरामद

तारादेही /तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। तारादेही थाना अंतर्गत सोमवार 31 अगस्त की रात तारादेही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अज्ञात चोरों द्वारा की गई कंप्यूटर, प्रिंटर व अन्य सामग्री की चोरी की घटना की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है।मामले में पुलिस ने संदेह के आधार पर ग्राम के ही दो युवक अनारी पिता रामप्रासद गौड़ 28 वर्ष और सुरेश पिता तुलसीराम गौड़ 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चोरी किए गए 10 कम्प्यूटर, 2 प्रिंटर समेत अन्य सामग्री जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 40 हजार रुपए है जब्त की गई है।

आरोपियों ने स्कूल के अवकाश के दौरान कंप्यूटर लैब का ताला तोड़कर इस घटना को अंजाम दिया था।

जानकारी अनुसार शा.उच्च.मा. विद्यालय तारादेही के प्राचार्य स्वदेश कुमार नेमा ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि विद्यालय के कम्प्यूटर लैब में रखे 10 मॉनिटर एवं सीपीयू, 02 प्रिंटर, कम्प्यूटर की बोर्ड एवं माउस कुल सामग्री कीमती करीबन 5 लाख 4 हजार रुपये कोई अज्ञात चोर चुरा कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर 02 संदेहियो से पूछताछ की गई, जिन्होंने चोरी किया जाना स्वीकार किया है।

इनकी रही भूमिका – इस पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े,एसआई रमेश मुडरया, प्रधान आरक्षक भगत सिंह, राजेश सिंह, तुलसीराम, आरक्षक पंकज प्यासी, बलराम सिंह, राजेन्द्र लोधी, आकाश पटैल, हार्दिक शुक्ला, दिव्या, लक्ष्मी, विवेक गोस्वामी (रक्षित केन्द्र) सहित सायबर सेल के आरक्षक मयंक की भूमिका रही।

रिमझिम बारिश से तेंदूखेड़ा में ठंडक, फसलों को राहत

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु । मंगलवार से नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रुक-रुककर हो रही रिमझिम और सुहावनी बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया है। पिछले कुछ दिनों से जारी हल्की बारिश के कारण जहां आमजन को गर्मी और उमस से राहत मिली है, वहीं वातावरण में ठंडक भी महसूस की जाने लगी है। दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और बीच-बीच में होने वाली फुहारों ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है। हालांकि लगातार रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण नगरवासियों के रोजमर्रा के कार्य कुछ हद तक प्रभावित हुए हैं। बाजार में आने-जाने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी गई, वहीं कई लोग बारिश रुकने का इंतजार करते नजर आए। सड़कों और गलियों में भी सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल दिखाई दी।

विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों से बाजार एवं अन्य कार्यों के लिए आने वाले लोगों को बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, यह बारिश किसानों के लिए राहत लेकर आई है। क्षेत्र में मक्का, सोयाबीन, धान सहित अन्य खरीफ फसलें इन दिनों खेतों में लहलहा रही हैं। हल्की और रिमझिम बारिश से फसलों को आवश्यक नमी मिल रही है, जिससे उनके विकास में मदद मिलने की उम्मीद है। खेतों में हरियाली बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों का नजारा भी मनमोहक दिखाई देने लगा है। किसानों का कहना है कि यदि इसी प्रकार संतुलित और समय-समय पर बारिश होती रही तो खरीफ फसलों को काफी लाभ मिल सकता है। हालांकि अत्यधिक बारिश होने की स्थिति में जलभराव से फसलों को नुकसान की आशंका भी बनी रहती है।

फिलहाल तेंदूखेड़ा क्षेत्र में रिमझिम बारिश का दौर जारी है। ठंडी हवाओं और बूंदाबांदी के बीच लोगों को मौसम में बदलाव का सुखद एहसास हो रहा है, वहीं किसानों की निगाहें भी आसमान पर टिकी हुई हैं।

CMYK